



यश के 39वें बर्थडे पर रिलीज हुआ टॉकिसक का टीजर, दो घंटे में मिले 8 लाख से ज्यादा व्यूज

सातथ अगिनेता यश अपना 39वां जन्मदिन मना रहे हैं। केजीएफ 1 और केजीएफ 2 में अपनी बेहती परफॉर्मेंस से सभी के दिलों में खास जगह बना चुके यश की आगामी एवशन फिल्म टॉकिसक का टीजर सामने आ चुका है। टॉकिसक के टीजर में यश एक नाइट कल्प ने लड़कियों के साथ नास्ती करते नजर आए।

टॉकिसक का टीजर हुआ रिलीज केवीएन प्रोडक्शन ने कुछ ही देर पहले फिल्म टॉकिसक का यूजिकल टीजर रिलीज किया है। फिल्म निर्माताओं ने एकस पर एक पोर्ट शेयर किया है, जिसमें यश की फिल्म के लुक का ही एक पोस्टर दिखाई दे रहा है। इस पोर्टर का लुक रेड रंग का है, जिसमें यश टोपी पहने नजर आ रहे हैं। इस लुक के साथ निर्माताओं ने लिखा, रवागत है अपका अदम्य संसार में स्टोकिसकद्वारा। इसके साथ ही फिल्म टॉकिसक का यूजिकल टीजर का यूट्यूब लिंक दिया है।

नाइट कल्प में दिखी यश की मस्ती टॉकिसक के टीजर में यश एक नाइट कल्प में नजर आ रहे हैं। उनका रखेंग प्रशंसकों को बेहद पसंद आ रहा है। यश की बहुप्रतीक्षित फिल्म दिसंबर 2025 में सिरोमधारों में रिलीज हो सकती है। अपने शानदार कलाकारों और गीत मौहनदास के निर्देशन के साथ, टॉकिसक का निर्माण केवीएन प्रोडक्शन द्वारा किया जा रहा है।

रिलीज के बाहरीकों को इतजार केजीएफ और केजीएफ 2 में यश के बाद यश फिल्म टॉकिसक में नजर आएंगे। आज टीजर रिलीज के बाद से ही यश के प्रशंसक इस फिल्म की रिलीज का बेसी से इतजार कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार,

टॉकिसक में कियारा आडवाणी, नयनतारा, हुमा कुरैशी और तारा सुतारिया जैसे कई बेहतरीन अभिनेत्रियां दिखाई दे सकती हैं।

हाई-ऑफेन्ट गेंगस्टर ड्रामा फिल्म टॉकिसक को बड़े पैमाने पर बनाया जा रहा है।

निर्माताओं ने टीजर रिलीज

का किया था बाद

टॉकिसक के टीजर रिलीज से पहले यश का एक और लुक सामने आया था, जिसमें वह टोपी पहने नजर आए। परी तस्वीर लाल रंग में दिखी। साथ ही यह भी लिखा था कि यश के जन्मदिन पर 10.25 पर फिल्म टॉकिसक को लेकर कुछ खास आएगा। फिल्म निर्माताओं ने बाद के अनुसार टॉकिसक का यूजिकल टीजर रिलीज कर दिया है।



‘इमरजेंसी’ रिलीज के लिए इन चुनौतियों का कंगना ने किया सामना

कंगना रणीत अपनी फिल्म ‘इमरजेंसी’ अब 17 जनवरी, 2025 को रिलीज होगी। कंगना फिल्म के प्रमोशन में जुटी है। हाल ही में कंगना ने एनएआई से बातचीत के दौरान उन्होंने फिल्म के रिलीज से पहले कई अड्डोंनों का सामना करना पड़ा। फिल्म को 6 सितंबर 2024 को रिलीज होना था, लेकिन केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड से मंजूरी न मिलने के कारण यह रुक गई। फिल्म को कुछ सिख संगठनों से भी विरोध का सामना करना पड़ा, जिन्होंने कथित तीर पर इसकी रिलीज पर आपत्ति जताई और निर्माताओं पर तथ्यों को गलत तरीके से धूप करने का आरोप लगाया। महीनों के संघर्ष के बाद अब इसे सीधीएफसी से हरी झंडी मिल गई है।

रिलीज के लिए करना पड़ा संघर्ष

कंगना रणीत अपनी फिल्म ‘इमरजेंसी’ अब 17 जनवरी, 2025 को रिलीज होगी। कंगना फिल्म के प्रमोशन में जुटी है। हाल ही में कंगना ने एनएआई से बातचीत के दौरान उन्होंने फिल्म के रिलीज से पहले आई चुनौतियों के बारे में बात की। कंगना ने कहा, बहुत संघर्ष रहा, काफी चीजों का सामना करना पड़ा। यह आसान सफर नहीं था।

इसमें कई मुश्किलें थीं। हमें यह फिल्म कई समुदायों को दिखानी थीं। हमारी फिल्म की हर एक चीज की जांच की गई। ऐसी तमाम बाधाओं को पार करने के बाद, हम आखिरकार यहां पहुंचे हैं।

मुंबई में बेचनी पड़ी प्रॉपर्टी

फिल्म की रिलीज टलने के बाद कंगना को मुंबई में अपनी प्रॉपर्टी भी बेचनी पड़ी। उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि फिल्म बनाने समय उड़े इतनी मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा। अभिनेत्री ने कहा, मुझे नहीं पता था कि इस फिल्म को बनाने समय मुझे मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा, आमतौर पर मेरी फिल्म बहुत ही आरामदायक बजट में बनती है, लेकिन इस बार मुझे बहुत संघर्षों का सामना करना पड़ा, चाहे वह स्टूडियो से जुड़ा हो या फड़ से। सबसे बड़ा संघर्ष यह था कि कोई भी फिल्म की रिलीज को लेकर आश्वस्त नहीं था। क्या यह कभी रिलीज होगी या नहीं? यह सवाल हमेशा हमारे दिमाग में रहता था।

मैडॉक की फिल्म में नजर आएंगी कियारा आडवाणी?

पिछले साल स्ट्री 2 जैसी लॉकवर्स्टर फिल्म बनाने वाली मैडॉक फिल्म्स अपने आगामी प्रोजेक्ट को लेकर वर्षा में आ गई है। इस फिल्म का नाम शक्ति शालिनी है। हाल ही में ऐसी खबरे सामने आई ही कि फिल्म में कियारा आडवाणी नजर आ सकती है। हालांकि, प्रोडक्शन हाउस ने फिल्म के बारे में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी है।

कब रिलीज होगी शक्ति शालिनी?

सोशल मीडिया पर कियारा के नाम पर चल रही चर्चाओं में अभिनेत्री के फैस को उत्साहित कर दिया गया है। मैडॉक फिल्म्स अपने सुपरनैयुरल यूनिवर्स के लिए मशहूर है। फिल्म शक्ति शालिनी 31 दिसंबर, 2025 को रिलीज होने के लिए प्रस्तावित है। फिल्म रो जुड़े अंदरूनी सूत्रों के मुताबिक कियारा को फिल्म में अहम भूमिका में कारबंड करने पर विवार किया जा रहा है। एक सूत्र ने बताया, फिल्म में एक ऐसी नायिका की जल्लरत है जो ताकत के साथ नाजुकता को भी पहुंच प्रदर्शित सके। कियारा इस भूमिका के लिए बिल्कुल उपयुक्त है। बातचीत चल रही है, लेकिन अभी कुछ तय नहीं दी है।

गेम चेंजर में जल्द आएंगी नजर

अगर सब कुछ सही रहा तो शक्ति शालिनी कियारा का मैडॉक फिल्म्स के साथ पहला प्रोजेक्ट हो सकता है। पिछले साल कियारा को मैडॉक के ऑफिस में किया गया था। वर्ष फंट की बात करे तो कियारा जल्द ही गेम चेंजर में नजर आने वाली है। यह फिल्म 10 जनवरी को रिलीज होगी। इसके अलावा वह वर्ष 2 में भी दिखेंगी। इस फिल्म में उनके साथ त्रैतीक रोशन और जूनियर एनटीआर भी होंगे। इसका निर्देशन अयान मुखर्जी ने किया है।

बॉलीवुड की इन अभिनेत्रियों से प्रेरित हैं अनन्या पांडे



बॉलीवुड की इन अभिनेत्रियों से प्रेरित हैं अनन्या पांडे

अनन्या पांडे ने खो गए हम कहा, कॉल नी बै और सीटीआरएल जैसी कई फिल्मों से दर्शकों का दिल जीता है। हाल ही में उन्होंने अपने भविष्य के करियर की योजनाओं के बारे में खुलकर बात की और साथ ही यह भी बताया की वह किन बॉलीवुड अभिनेत्रियों से हेब एरिट है।

फिल्म की नई रिलीज डेट

रिपोर्ट्स के अनुसार, विदामुयार्ची अब जनवरी के अंत में रिलीज हो सकती है। इंडिस्ट्री के अंदरूनी सूत्र श्रीधर पिल्लै के हालिया पोर्टर के अनुसार, व्यापार विश्लेषकों का दावा है कि फिल्म संभवतः 30 जनवरी, 2025 को रिलीज होगी। हालांकि, अभी तक निर्माता की ओर पुष्ट नहीं की गई है।

हालीवुड फिल्म का रीमेक है विदामुयार्ची

मार्गिज थिरुमेनी द्वारा निर्विशित फिल्म विदामुयार्ची एक

एवशन थिलर फिल्म है, जिसके बारे में अनुमान लगाया

जा रहा है कि यह हालीवुड फिल्म ब्रेकडाउन का

रूपान्तरण है। हालांकि, इसकी पुष्ट नहीं हुई है, लेकिन फिल्म के टीजर से दोनों के बीच समानताएँ आई हैं। उन्होंने खुलासा किया कि एक निर्माता के पास ऐसा करने की शक्ति होती है।

फिल्म की रिलीज में दोनों की अनुमान लगाया

जा रहा है कि यह हालीवुड फिल्म ब्रेकडाउन का

अनुप्रतीक्षित करना दिल रियल रिपोर्ट्स के अनुसार आई है।

अनन्या ने कहा, दोनों को एक अभियारिक रीमेक है। पेरामार्ट पिल्लै के फिल्म की रिलीज के लिए एक साझेदारी सोची गई है।

फिल्म की रिलीज में दोनों की अनुमान लगाया

जा रहा है कि यह हालीवुड फिल्म ब्रेकडाउन का

अनुप्रतीक्षित करना दिल रियल रिपोर्ट्स के अनुसार आई है।

फिल्म की रिलीज के लिए एक साझेदारी सोची गई है।

फिल्म की रिलीज के लिए एक साझेदारी सोची गई है।

फिल्म की रिलीज क

120 स्कूली बसों की हुई चैकिंग चालक परिचालक और अटेंडर का किया गया स्वास्थ्य परीक्षण



पायनियर संचादकाता ▲ कोरबा
www.dailypioneer.com

1 जनवरी से प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष भी संपूर्ण देश भर में सड़क सुरक्षा माह मनाया जा रहा है। इसी कड़ी में जिला पुलिस अधीक्षक निम्नाधीन विवारी अंतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नेहा वर्मा और यातायात विभाग के डीएसपी डीके सिंह के निर्देश और नेतृत्व में यातायात पुलिस कोरबा भी सड़क सुरक्षा को लेकर नियमों का पालन करने हेतु जागरूक किया



पायनियर हल्लवल...

अरुण साव भ्रष्ट हैं, यह तो स्पष्ट है

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल डिटी सीएम अरुण साव पर प्रहर करने का कोई मोका नहीं गंवाना चाहते। वह ऐसा क्यों कर रहे हैं? यह तो अरुण साव और भूपेश बघेल ही जानें। लेकिन भूपेश का साव को बार-बार निशाने पर लेना सदैह पैदा करता है। दरअसल भूपेश बघेल और अरुण साव को बीच दिए कुछ ठीक नहीं चल रहा है। बीते विधानसभा सत्र में भी भूपेश ने 'यह तो स्पष्ट है, अरुण साव भ्रष्ट है' का नारा बुलंद किया था। शब्द भूपेश पूरी रूप से इन्हीं के तहत गढ़ार को गडार पर लेने चल रहे हैं। क्योंकि वह साव और उनके विभाग को घेरने का मौका हाथ से नहीं जाने देते। इसका एक और उत्तराहरण देखा और सबसे जा सकता है। पूर्व आवाकारी मंत्री कवासी लखमा और उनके पुत्र के बीच इंडी की टीम ने दबिश दी, तब भी भूपेश ने अरुण साव पर ही निशाना साधा था। भूपेश ने कहा था कि अरुण साव बहुत ताकतवर नेता हैं उनसे जो उलझता है उन्हें वह जेल भेजना देते हैं। भूपेश ने कहा था कि कवासी लखमा ने सड़क और पुलिया का सवाल विधानसभा में उठाया था, इसलिए लखमा के बीच अरुण साव ने इंडी भेज दिया। तो भला राजधानी रायपुर का मौका भूपेश कहां हाथ से जाने देते। मोवा बिज्ज में घटिया सड़क निर्माण पर भी भूपेश ने अरुण साव को गडार पर लेते हुए कहा कहा 'यह तो स्पष्ट है, अरुण साव भ्रष्ट है'। बीजापुर में घटिया सड़क निर्माण टेकेडर और पत्रकार पर भी भूपेश ने यही कहा 'यह तो स्पष्ट है, अरुण साव भ्रष्ट है'? बहरहाल इसके पीछे कारण जो भी हो, लेकिन भूपेश और साव के बीच राजनीतिक अद्वारत इन दिनों जमकर चर्चा में है।

मै विपक्ष हूं, मै ही पत्रकार हूं और मै ही सरकार हूं

मैं विपक्ष हूं, मैं पत्रकार हूं और मै ही सरकार हूं। यह लाइन कुरुद विधायक अजय चंद्रकर पर इन दिनों एकदम फिट बैटरी है। हालांकि जब पत्रकार, विपक्ष और नेता सभी अपने दायित्वों से पीछे हटने लगे तो ऐसे किरदार की अत्यंत आवश्यकता होती है। अजय चंद्रकर की कई दफा रायपुर से दिल्ली तक शिकायत की जा चुकी है। लेकिन वह बार-बार यह सदेश दे रहे हैं कि 'मैं विपक्ष हूं, मैं ही पत्रकार हूं और मैं ही सरकार हूं'। जब जिस किरदार की जरूरत होगी तो मैं बखूबी निभाऊंगा। खैर अब तक चंद्रकर अपने किसी भी किरदार से पीछे हटने नजर नहीं आये। भविष्य में क्या होगा फिलहाल कुछ कहा नहीं जा सकता। वह विधानसभा से लेकर पार्टी पोरम तक अपनी बातों को दमदारी से रखने का काम कर रहे हैं। दरअसल अजय चंद्रकर का यह राजनीतिक रुख कई मायनों में अद्भुत है। राज्य में अभी मंत्रिमंडल का विस्तार होना है। ऐसे में अजय ने यह साफ संकेत दिया है कि यदि मुझे अवसर नहीं मिला तो मैं सरकार को धेरने से भी परहेज नहीं करूँगा। दूसरा खामोश रहकर अजय चंद्रकर टीएस सिंहदेव की तरह अपना राजनीतिक हत्र नहीं करना चाहते। चंद्रकर यह भली-भांति जानते हैं कि यदि पार्टी और सरकार में पकड़ कमज़ोर हुई तो अगले विधानसभा चुनाव में जिस तरह टीएस सिंहदेव अंबिकापुर नहीं बचा पाये, तो वैसे ही कुरुक्ष जो जमी बचा पाना मुश्किल होगा। इसलिए चंद्रकर का यह रुख आगे भी बरकरार रह सकता है।

असर दिखने लगा है, छवि गढ़ने लगा है

जनसंपर्क विभाग सरकार का मुख्यांगा होता है। सरकार की योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने के साथ ही मुख्यमंत्री की छवि गढ़ने का काम भी यह विभाग बखूबी करता है। सरल और शांत छवि के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साथ और उनकी सरकार को नहीं लेना चाहता। जब यह विभाग की योजनाओं को आधिकारी सुनकर एक दफा रायपुर से दिल्ली तक शिकायत की जा चुकी है। लेकिन वह बार-बार यह सदेश दे रहे हैं कि 'मैं विपक्ष हूं, मैं ही पत्रकार हूं और मैं ही सरकार हूं'। जब जिस किरदार की जरूरत होगी तो मैं बखूबी निभाऊंगा। खैर अब तक चंद्रकर अपने किसी भी किरदार से पीछे हटने नजर नहीं आये। भविष्य में क्या होगा फिलहाल कुछ कहा नहीं जा सकता। वह विधानसभा से लेकर पार्टी पोरम तक अपनी बातों को दमदारी से रखने का काम कर रहे हैं। दरअसल अजय चंद्रकर का यह राजनीतिक रुख कई मायनों में अद्भुत है। राज्य में अभी मंत्रिमंडल का विस्तार होना है। ऐसे में अजय चंद्रकर अपने काम का यह रुख आगे भी बरकरार रह सकता है।



नया सीएस कौन?

राज्य के सीएस अमिताभ जैन 14 जनवरी से 21 जनवरी तक अवकाश में हैं। इस दौरान आईएस रेणु पिल्ले को मुख्य सचिव का प्रभार सौंपा गया है। अमिताभ जैन के अचानक छुट्टी में जाने से कारबों का दौर शुरू हो गया है। दरअसल अरारी आई कार्यकर्ता अंजली भारद्वाज द्वारा सुप्रीम कोर्ट में राज्य सूचना आयुक्त की नियुक्तियों के संर्वेष में एक याचिका लाई गई है, हालांकि यह अन्य राज्य के संदर्भ में है। जिसके सुनावी में 5 सप्ताह के अन्दर इनके पां भी जाने के निर्देश हैं। इसके प्रगति जैन के लिए चयन समिति को भी गठन किया गया है। अमिताभ जैन के अचानक छुट्टी में जाने के कारण को इस याचिका से भी जोड़कर देखा जा रहा है। वास्तव में यदि ऐसा हो तो छत्तीसगढ़ में भी खाली पांचों पर जल नियुक्ति करने का दबाव बढ़ेगा। ऐसे में अमिताभ जैन की छुट्टी को दूयल भी समझा जा रहा है। बहरहाल वास्तविक कारण क्या है? इसे तो सरकार और सीएस अमिताभ जैन ही जानें। लेकिन सरकार यह उत्तर नहीं करता है कि अमिताभ जैन के बाद राज्य का अगला सीएस कौन बनेगा? वर्तमान में तो प्रभारी सीएस रेणु पिल्ले हैं। लेकिन सीएस की रेस में आईएस मोजों पिंगुआ और ऋचा शर्मा भी हैं। आईएस सुब्रत साहू कांग्रेस सरकार के काफी नजदीक रहे, इसलिए उनकी संभावना फिलहाल न के बराबर है। अब तक की स्थिति में मोजों पिंगुआ के नाम से यही सीएस बनाये जाने की खबरें तैरती रही हैं। लेकिन वर्तमान में ऋचा शर्मा सीएम सचिवालय के काफी नजदीक हैं। इसलिए ऋचा के नाम से भी इनकार नहीं किया जा सकता है।

आयोग में खामोसी से नियुक्तियां

आयोगों में बड़ी ही खामोसी ने एक-एक करके नियुक्तियां जारी हैं। इसी कड़ी में रायपुर स्वयं सेवक संघ तथा भाजपा संसद में विभिन्न पदों का दायित्व संभालने वाले रुपनारायण सिंहा को योग आयोग का अध्यक्ष बनाया गया है। अमिताभ जैन के अचानक छुट्टी में जाने से कारबों का दौर शुरू हो गया है। दरअसल भाजपा पूरे रायनीति के तहत खामोसी से आयोगों में नियुक्तियां तो नियमित होती हैं, ताकि कार्यकर्ताओं का एक साथ दबाव न झेलना पड़े। इससे पहले भी कई आयोगों और प्राधिकारों की नियुक्तियां की जा चुकी हैं। आतंरिक सूत्रों की माने तो कुछ बड़े आयोगों और निगम - मंडलों को छोड़ दें तो बाकि के लिए ऐसे ही एक-एक करके नियुक्तियां जारी रहेंगी, ताकि कार्यकर्ताओं को आसानी से मना आया और समझाया जा सके।



सचिवालय दिखने लगा गुलजार

आईएस सुब्रत कुमार सिंह के सीएम सचिवालय में वापसी के बाद मंत्रालयीन कार्यों में गति दिखने लगी है। मंत्रालय के कई अफसरों का भी कहना है कि अब सीएम सचिवालय व्यवस्थित दिखने लगा है। यहीं नहीं सुब्रत समय पर पहुंचने के साथ ही देश तक मंत्रालय गुलजार रहता है। शायद कार्यों के व्यवस्थित होने तक सुब्रत ने किसी विभाग की नियमितारी लेने में कोई जल्दाजी नहीं की। सीएम सचिवालय को व्यवस्थित चलाना भी अपने आप में कई बड़ी जिम्मेदारी होती है। लेकिन ऐसे में एक याचिका लाई गई है, हालांकि यह अन्य राज्य के संदर्भ में है। इसके प्रगति जैन के लिए चयन समिति को भी गठन किया गया है। अमिताभ जैन के अचानक छुट्टी में जाने के कारण को इस याचिका से भी जोड़कर देखा जा रहा है। वास्तव में यदि ऐसा हो तो छत्तीसगढ़ में भी खाली पांचों पर जल नियुक्ति करने का दबाव बढ़ेगा। ऐसे में अमिताभ जैन की छुट्टी को दूयल भी समझा जा रहा है। बहरहाल वास्तविक कारण क्या है? इसे तो सरकार और सीएस अमिताभ जैन ही जानें। लेकिन सरकार यह उत्तर नहीं करता है कि अमिताभ जैन के बाद राज्य का अगला सीएस कौन बनेगा? वर्तमान में तो प्रभारी सीएस रेणु पिल्ले हैं। लेकिन सीएस की रेस में आईएस मोजों पिंगुआ और ऋचा शर्मा भी हैं। आईएस सुब्रत साहू कांग्रेस सरकार के काफी नजदीक रहे, इसलिए उनकी संभावना फिलहाल न के बराबर है। अब तक की स्थिति में मोजों पिंगुआ के नाम से यही सीएस बनाये जाने की खबरें तैरती रही हैं। लेकिन वर्तमान में ऋचा शर्मा सीएम सचिवालय के काफी नजदीक हैं। इसलिए ऋचा के नाम से भी इनकार नहीं किया जा सकता है।



हे सरकार, सुन लो मेरी भी पुकार

राज्य के सीनियर आईएस अफसरों के हालात इन दिनों को कुछ अद्वारत हो रहे हैं। राज्य सरकार आईएस, आईपीएस और राज्य सेवा के अफसरों का दर्द कोई कम नहीं है। लेकिन अपने दर्दों को प्रोमोशन के लिए तह-तह-तह के नियम बताये जाते हैं। दरअसल एपीसीएस अफसरों के प्रोमोशन में एक बड़ी जिम्मेदारी होती है। लेकिन ऐसे में संकेत के दर्द सुब्रत कुछ अद्वारत होता है। और शायद मंत्रालय तक पहुंचने के अवकाश में अद्वारत होता है। इसके बाद राज्य के संबंधों कुछ अद्वारत होता है। और शायद अपने दर्दों को प्रोमोशन में एक बड़ी जिम्मेदारी होती है। इन अफसरों को प्रोमोशन नहीं होता है। इन अफसरों को प्रोमोशन नहीं होता है। इन अफसरों को प्रोमोशन नह